AEAA - bolynomials

* Agya (Polynomials):

ao+a,x+a2x2+a3x2+....+anxn & रूप हा कीर्द बीजीय ठयंजक , जहां an \$0 तथा n रुक चनाटमक पूर्णांक ही, बहुपद कहलाता ही

428 Piles

* Agua & goings (co-efficient of polynomials):ao, a, ao, an of Agy ao+a, x+a, 2+. --- +anxen का गुणांक (co-efficient) कहते हैं।

* Aguz si winite (Degree of a Polynomials): -किसी बहुपद हैं जर र के मंहतम खात का की बहुपद का

* WITH TO BITCHE UT BETTE BY HEIK [Kinds of Polynomials]

D 2Ras agy (Linear Polynomials) -> FUTH Agy A. पर् र का अधिकतम चात 1 हो, रेरिवक बहुपर फिलाता ही

. असे:- 3x-4, 5x+9 इत्यादि

1) PETETTA ORETE (Quadratec Polynomials):-जिस बहुपदं में चर १ हा अधिकतम द्यात 2 हो, द्विधात बहुपद कहते ही जैसे:- 2x+4, 3x2+2x+4

जिस बहुपद के न्यर अ का अध्यक्तम चात 3 हो, क्रिधात बहुपद कहते ही जैसे: 322 + 5, 423 + 224 + 344

* पद के आनार पर बहुपद के प्रकार (Base of terms)

€ एवी बहुपद (Monomial)!-..

कहते हैं। कहते हैं। असे - 2, 42, 2, 72 इत्यादि

(i) Bura Bera (Binomial) >

कहलाता ही जामा खहुपद द्विपद छहुपद

Fet: - 3x5-2x, 5x2+2x

(iii) त्रिपद खंहपद (Trinomial)->

कहलाता है।

Note: -

अहुपद को १(१), १(१), १(१), १(१), १(१), १(१) इत्यादि

से सूचित किया जाता है।

.

(ii) श्रून्य (o) बहुपद का धात अपिताषित्र है। अयितः श्रून्य (o) बहुपद का कीर्र धात नहीं होता है। न्धर अ में खहुपद को लिखते समय हमें खहुपद को पदी को पदी को पदी अह के ह्यातों में आरोहों (Ascending) क्रम या अवरेहि (descending) क्रम में लिखना

भेते! () २×4-3×3+4×+5 (अवरोहीक्रम)
(1) २+4×-5×3+8×4 (आरोही क्रम)

* याद रंखें!-

D जिस बहुपद में -पर् ४ का चातं ऋणाटमक हो तो वह बहुपंद नहीं हो सन्ता है।

- 2x + 3x + 4, 5x + 3x + 4

2) जिस बहुपद में चंद १ का द्यात किना के रूप में हो तो वह बहुपद नहीं हो सकता है।

一一 5x3+4x+2, 2x+3x2+4

3) जिस बहुपद में चर x क्रा (इरामी) के अन्दर् हो तो वह बहुपप नहीं हो सकता है।

- 12 2x2+45x+3, 4x5+4x3+55x+4

(4) जिस बहुपद में - यर x, हर (denominator) के राष में हो तो वह खड्पप नहीं हो सकता है।

Stell. 5x2+4. 323+4+1

- 4) ① 4×2-3×+7 → बहुपद हैं स्पोकि चर र का बात धनात्मक हैं।
- (i) भूर+12 → बहुपद है क्यों कि चर y हा ह्यात धनारमक ही
- ा 35±+±12. → बहुपद नहीं है क्योंके न्गर ± ER TREATE / TREETE with roat \$ 81.
- (iv) ४+ है → बहुपद नहीं है म्योकि नर ४ भो हर के राप में हैं।
 - (×10+43++50 → तीन पर वाला बहुपद हैं।
- 2) (1) 2+x2+x A;

THE THERE THEF (& 22 का गुणांक = 1 Am

- (ii) 2-x2+x3 A, र्भ का गुणों क = 11
- K THE REPORT BET (E) (iii) \$2+x A" 2 का गुणोंक = 1
- (IV) J2x+1 A; र का गुणांक = 0 है रेडे राज्यक के जिस् अध्यक साम के कि कि कि

35+7-61

3> 35 बात के हिपद = $\chi^{35} + 4$ A 100 बात के रुक्तपदी = χ^{100} A

4> 1) 5x3+4x2+7x A'.

(i) 4- प्रे मैं, बहुपद हा चात्र = 2 1

(ii) 5±- जि. व्याप्त = 1 🔊

(iv) 3 में बहुपप का बात = 0 \$

s> ① ×2+x → दिलामी वहुपद

ा ×-र्रे → त्रिचातो बहुपद

(ii) प्र+ प्र²+4 -> दिष्णाती बहुपद

(i) 1+x -> CESEITH / 2/195 4549

V) 3± → शिवड वहुपद

(vi) ४² → द्विषाती अहुपद

(vii) 7x3 - निपानी बहुपद

समाद्र